अभिप्रेरण एवं इसके सिद्धांत

Motivation and its principles

Gaurav Jaiswal,
Dept. of Commerce,
Durga college, Raipur

अभिप्रेरण का अर्थ
(Meaning of motivation)

अभिप्रेरणा का तात्पर्य उस शक्ति से है, जो व्यक्तियों में काम करने की इच्छा जाग्रत करती है। अभिप्रेरणा को अंग्रेजी में **Motivation** कहा जाता है जो **motive** से बना है जिसका अर्थ है '**प्रेरणा**', यह आंतरिक स्थिति है जो हमारे व्यवहार को दिशा प्रदान करती है।

अभिप्रेरणा किसी उद्देश्य को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा है जो कि हमारे व्यवहार में परिवर्तन लाता है।

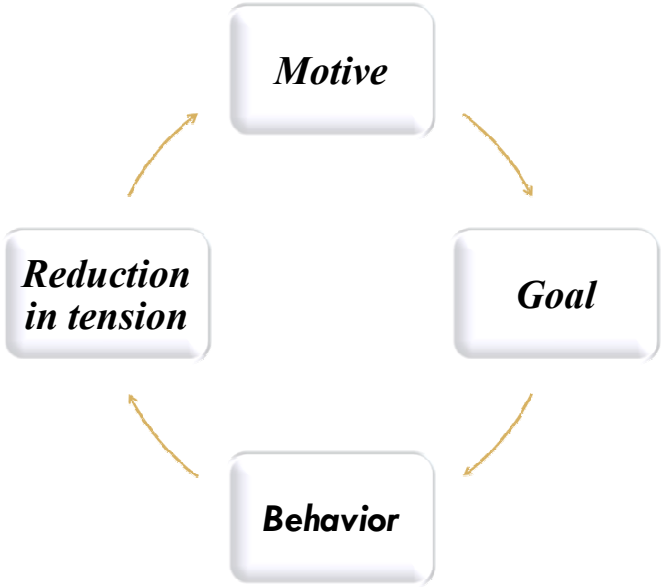

अभिप्रेरणा के उद्देश्य
(Objectives of motivation)

- कर्मचारियों को प्रोत्साहित कर उनके मनोबल को बढ़ाना।
- मधुर सम्बन्ध स्थापित करना।
- कर्मचारियों मे आत्मनियंत्रण की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- परस्पर सहयोग की भावना का विकास करना।
- कर्मचारियों को उपक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाना।

अभिप्रेरणा के प्रकार
(Types of motivation)

अभिप्रेरण के सिद्धांत
(Principles of motivation)

- कर्मचारियों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न की जानी चाहिए।
- कर्मचारियों को कुशल नेतृत्व प्रदान करना चाहिए।
- कर्मचारियों की कार्य अवधि निश्चित और उचित होनी चाहिए।
- कार्य को रुचिकर बनाने का प्रयास करना चाहिए।
- कर्मचारियों के साथ मानवीय व्यवहार करना चाहिए।

अभिप्रेरण की विचारधाराएं
(Theories of motivation)

I. मैस्लो का आवश्यकता सोपान सिद्धांत (Maslow need hierarchy theory) :-

इस सिद्धांत का प्रतिपादन **अब्राहम मैस्लो** ने किया था। मैस्लो के अनुसार मानवीय आवश्यकताओं के पांच स्तर हैं और व्यक्ति इसी क्रम में अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता हैं। यें पांच स्तर निम्न है –

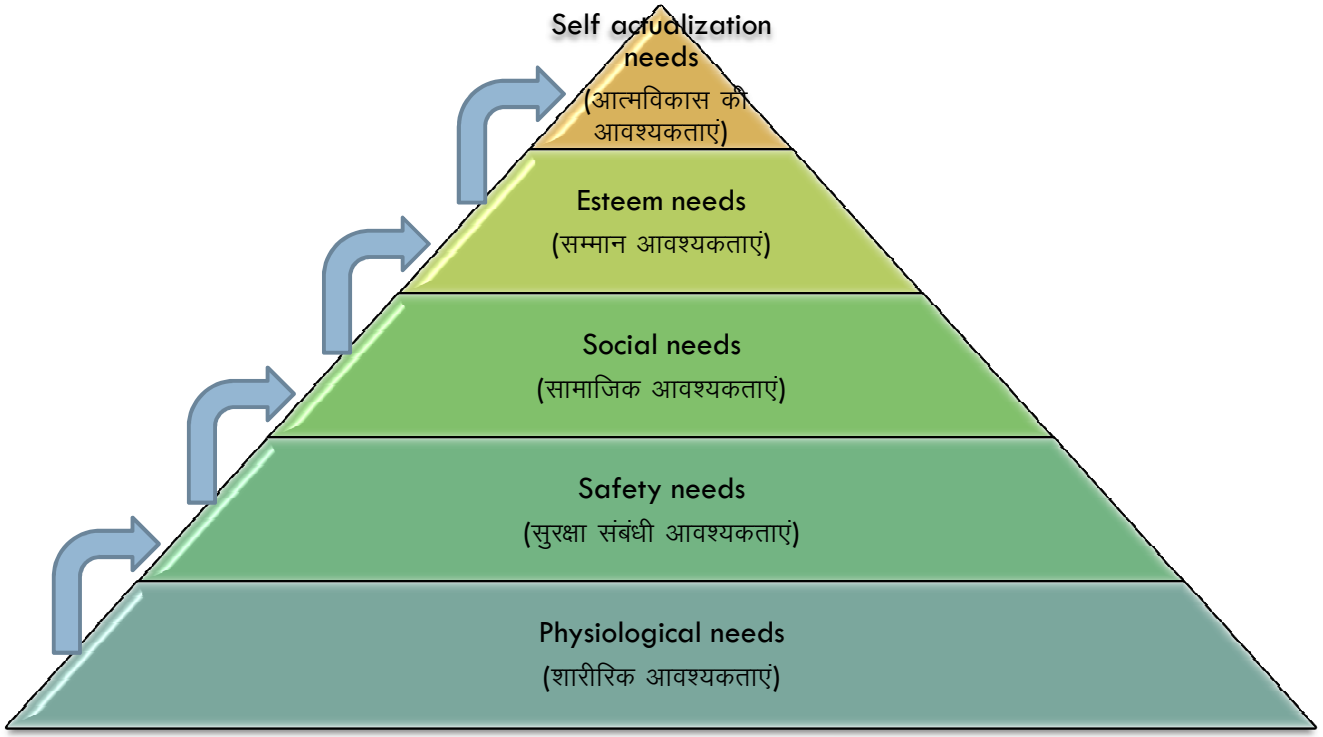

II. मैकग्रेकर की X तथा Y विचारधारा

(McGregor's X and Y theory) :-

इस विचारधारा को दो भागों में बांटा गया हैं–

एक्स सिद्धांत (X theory) – इस धारणा के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति काम से बचना चाहता है उससे काम लेने के लिए उसे भय दिखाकर ही काम लिया जा सकता है। यह एक ऋणात्मक सिद्धांत है।

वाई सिद्धांत (Y theory) – यह सिद्धांत इस मान्यता पर आधारित है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वभाव से निष्क्रिय एवं अविश्वसनीय नहीं होता है यदि उसे अभिप्रेरित किया जाये तो वह स्वयं कार्य को पूरी निष्ठा से कार्यान्वित करता है। यह एक धनात्मक सिद्धांत है।

III. ब्रूम की आशा विचारधारा

(Broom's ecpectancy theory) :-

ब्रूम के अनुसार अभिप्रेरण किसी व्यक्ति के कार्य के सम्भावित मूल्य और उसकी लक्ष्य प्राप्त करने की अनुमानित आशा का संयुक्त परिणाम है। यह 'cognitive process' पर आधारित होता है।

Motivation = Valance X Expectancy X Instrumental

IV. हर्जबर्ग की द्विघटक विचारधारा

(Herzberg's Two factor theory of motivation):-

इस सिद्धांत का प्रतिपादन प्रो. फ्रेडरिक हर्जबर्ग ने किया था। इस सिद्धांत में इन्होनें दो घटको का उल्लेख किया जो निम्न है–

1. **आरोग्य घटक (Hygiene factor)** – ऐसे घटक जिसकी उपस्थिति व्यक्तियों को प्रोत्साहित तो नहीं करती लेकिन इसकी अनुपस्थिति जरुर प्रभावित करती है।
2. **अभिप्रेरक घटक (Motivational factor)** – ऐसे घटक जिसकी अनुपस्थिति से कोई प्रभाव नहीं पड़ता लेकिन इसकी उपस्थिति प्रभाव डालती है।

THANK YOU